एसईई के सेमिनार में मुसलमानों से आह्वान किया गया

'मुसलिम तरक्की को पॉलिटिकल एजेंडा बनाएं'

स्टाफ रिपोर्टर

- '21वीं सदी : सामाजिक और आर्थिक चुनौतियां' विषय पर सेमिनार
- पंचवर्षीय योजना का लाभ उठाने में नाकाम रहे तो 'बॉटम' में चले जाएंगे

कानपुर। संस्था स्ट्राइव फॉर इमीनेंस एंड इंपावरमेंट (एसईई) के बैनर तले '21वीं सदीः सामाजिक और आर्थिक चुनौतियां' विषय पर आयोजित सेमिनार में मुसलमानों को आगाह किया गया कि 12वीं पंचवर्षीय योजना का लाभ उठाने में नाकाम रहे तो 'बॉटम' में चले जाएंगे। फिर उबरने में 50 साल लगेंगे। जयपुर से आए मुख्य वक्ता मौलाना फजलुर रहीम मुजददिदी ने कहा कि लोग बिरादरी, कुनबे से ऊपर उठकर मिल्लत के बारे में सोचें। मुसलिम तरक्की को पॉलिटिकल एजेंडा बनाएं। एमपी, एमएलए, कारपोरेटर पर दबाव डालें कि वे मुसलिम बहुल क्षेत्रों में अपनी निधि से विकास कार्य कराएं।

रविवार को सेमिनार का आयोजन सिविल लाइंस स्थित रागेंद्र स्वरूप सभागार में किया गया था। मौलाना मुजददिदी ने कहा कि अल्पसंख्यकों के लिए बनीं योजनाओं का सारा पैसा दक्षिण भारत में जा रहा है। उत्तर भारत में खासकर यूपी के विकास में इसका इस्तेमाल नहीं हो पा रहा। उन्होंने सेमिनार में मौजूद कोयला मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल से मांग की कि इन योजनाओं को प्रदेश में लाएं। उन्होंने कहा कि 12वें प्लान की योजनाओं में और विस्तार हो रहा है।

अगर फायदा न लिया गया तो 13वीं पंचवर्षीय योजना में ये मौका नहीं मिलेगा। 11वीं योजना में मुसलिमों के लिए बनीं योजनाओं का पैसा कहां गया पता नहीं? लेकिन 12वीं पंचवर्षीय योजना की एक-एक पाई का हिसाब लिया जाएगा।

मौलाना मुजददिदी अपने संबोधन में केंद्र सरकार की

केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने कई योजनाओं की जानकारी दी।

योजनाओं और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री सलमान खुर्शीद के कसीदे गढ़ते रहे। बोले, एससी, एसटी की तरह मुसलिमों के लिए स्कीम का प्रोसीजर आसान होना चाहिए। उन्होंने योजनाओं के तमाम आंकड़े पेश किए और बताया कि प्राइमरी एजूकेशन में मुसलिम बच्चों की संख्या अधिक रहती है, लेकिन सेकेंडरी में घट जाती है। अभिभावक खर्च वहन नहीं कर पाते। कारपोरेट सेक्टर अगर शिक्षा क्षेत्र में आएगा तो शिक्षा महंगी होगी। ग्रेजुएशन में मुसलिमों का प्रतिशत और घट जाएगा। उच्च शिक्षा में मुसलिमों को अधिकतम वजीफा मिले।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि कोयला मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने कहा कि कांफ्रेंस के बाद उनका नजरिया बदला है। वह अपनी निधि का 25 हिस्सा अल्पसंख्यकों के विकास कार्यों के लिए और बढ़ा देंगे। विशिष्ट अतिथि अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री सलमान खुर्शीद ने विभिन्न स्कीमों के बारे में बताया। इस मौके पर आसिफ आदिल और अजीजुल कलाम ने बताया कि मिल्लत की मदद से उन्होंने बीटेक किया और अच्छा जॉब मिला। समरा सुल्ताना ने प्राइमरी एजूकेशन पर प्रोजेक्ट दिखाया। कार्यक्रम में अख्तर हुसैन अख्तर, डॉ जमील अहमद आदि ने विचार व्यक्त किए।